औद्योगिकीकरण में उत्तर प्रदेश अव्वल, बढ़े कल-कारखाने

- सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार प्रदेश ने दर्ज की उल्लेखनीय उपलब्धि
- कारपोरेट मामलों के मंत्रालय की रिपोर्ट में भी उच्चतम विकास दर के साथ अग्रणी है यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में प्रदेश सरकार के प्रयास रंग ला रहे हैं। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआइ) के वार्षिक सर्वे के ताजा आंकड़े और कारपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) की हालिया रिपोर्ट इसकी पुष्टि कर रहे हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए जारी डाटा के अनुसार उत्तर प्रदेश ने सभी महत्वपूर्ण मानकों (कारखानों की संख्या, रोजगार व आउटपुट वैल्यू) में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कारपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के ताजा डाटाबेस के अनुसार यूपी नई सक्रिय कंपनियों की उच्चतम विकास दर के साथ अग्रणी राज्यों में शुमार किया गया है।

एमओएसपीआइ की रिपोर्ट के अनुसार यूपी ने बड़ी उछाल दर्ज की है। वर्ष 2016 से वर्ष 2020 तक प्रदेश में कारखानों की संख्या 1.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से (सीएजीआर) से बढ़ी हैं, जबकि इस दौरान प्रदेश की राष्ट्रीय हिस्सेदारी 6.6 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रही है।

वहीं, महामारी के बाद वित्त वर्ष 2021 की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में कारखानों की संख्या में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इस दौरान राष्ट्रीय हिस्सेदारी भी 6.6 प्रतिशत से बढ़कर सात प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसी तरह उद्योगों से संलग्न व्यक्तियों की बात करें तो 2016 से 2020 तक रोजगार 4.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की भागीदारी 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गई है। महामारी के बाद वित्त वर्ष 2022 में 2021 की तुलना में रोजगार में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय हिस्सेदारी भी 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 7.6 प्रतिशत हो गई है।

नई सक्रिय कंपनियों में यूपी अग्रणी

सकल मूल्य वर्द्धन (जीवीए) की बात करें तो वित्त वर्ष 2016 से वित्त वर्ष 2020 तक इसमें 7% की वृद्धि हुई है, जबकि भारत में हिस्सेदारी 5.1% से बढ़कर 5.7% हो गई है। महामारी के बाद जीवीए में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में 28% की वृद्धि हुई, इस दौरान राष्ट्रीय हिस्सेदारी भी 5.8% से बढ़कर 5.9% हो गई। उधर, कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के नवीनतम डेटाबेस के अनुसार, यूपी नई सक्रिय कंपनियों की उच्चतम विकास दर के साथ अग्रणी है। नवंबर 2022 से नवंबर 2023 की अवधि के दौरान, उत्तर प्रदेश में शीर्ष दस औद्योगिक राज्यों की तुलना में सक्रिय कंपनियों की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है। 16.1% के साथ उत्तर प्रदेश इस मामले में शीर्ष पर है।